शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

काव्यांजलि दैनिक सृजन

क्रमांक 3801 से 3900 तक

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 14/01/2021 **3801** दिन- शुक्रवार

जागो भारत की युवा शक्ति

जागो भारत की युवा शक्ति,
अब तुमको आगे आना होगा।
भारत के स्वर्णिम श्रृंगार हेतु,
केसरिया तिलक लगाना होगा।।

तुम ही गांधी,सावरकर हो,
तुम्हें वीर सुभाष बनना होगा।
भारतदेश का मान बढ़ाने को,
फिर वन्देमातरम गाना होगा।।

ज्वार छिपा जो अन्त:स्थल में,
उसको बाहर लाना होगा।
अगर लक्ष्य को पाना है तो,
एकत्व शक्ति अपनाना होगा।।

पाश्चात्य सभ्यता छोड़ तुम्हें,
भारतीय संस्कृति को बढ़ाना होगा।
युवा पीढ़ी की नव ऊर्जा से,
भारत का परचम लहराना होगा।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ०प्रा०वि०अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14.01.2022

3802

दिन- शुक्रवार

विद्यालय का वातावरण

बड़ा ही प्यारा विद्यालय हमारा,
वहाँ जाए बगैर रहा न जाता।
पढ़ा लिखाकर कुशाग्र बनाता,
विद्यालय हमको खूब भाता।।

बड़े ही प्यारे शिक्षक हमारे,
बड़े दुलार से हमें पढ़ाते।
खेलकूद भी खूब कराते,
तभी प्रतिदिन हम विद्यालय जाते।।

पढ़-लिखकर ज्ञान बढ़ाते,
साथियों संग मौज मनाते।
गाते-गुनगुनाते हँसते-हँसाते,
विद्यालय में हम दिन बिताते।।

बस दिल में एक डर रहता,
विद्यालय फिर से न बन्द हो जाएँ।
विद्यालय के प्यारे वातावरण से,
कहीं हम फिर से न महरूम हो जाएँ।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/01/2022

3803

दिन- शुक्रवार

मकर संक्रान्ति

मकर संक्रान्ति श्रद्धा, आस्था और,
विश्वास का पावन पर्व कहलाता है।
सम्पूर्ण भारत में यह त्योहार,
बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।।

सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर के,
सभी के जीवन में खुशियाँ लाते हैं।
मिट जाते जीवन के सभी द्वेष
सब मिलकर पतंग उड़ाते हैं।।

त्योहार के दिन पवित्र नदियों में,
स्नान और ध्यान किया जाता है।
गरीबों और असहाय लोगों को,
दान भी दिया जाता है।।

तिल गुड़ के लड्डू की खुशबू,
हर घर से देखो आती है।
खिल जाते किसानों के चेहरे भी,
चारों ओर खुशियाँ छा जाती हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

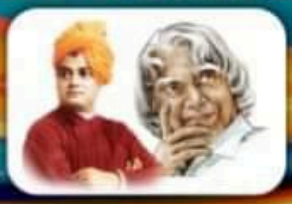

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 14/01/2022 **3804** दिन- शुक्रवार

हम पढ़ें, तुम पढ़ो

बोलती हैं किताबें, पढ़ो तुम,
जानकारी हासिल करो तुम।
कौन हो तुम? व कौन हैं हम?
अखबार की खबरें पढ़ो तुम।।

पशु-पक्षियों की जो कहानी,
कहाँ से नदी में आता पानी?
खेत-खलिहान, बाग और उपवन,
धरा की बनावट, ये नीला गगन।।

झील में तैरती जो मछलियाँ,
और फूलों पर उड़ती तितलियाँ।
किताबों के अन्दर की बानी,
छिपी हैं कई बातें अनजानी।।

नयी राह पर बढ़ चलो तुम,
हर एक दिन, कुछ पढ़ो तुम।
अक्षर बताते यदि सुनो तुम,
लिखा जो समझते चलो तुम।।

सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 15/01/2022 **3805** दिन- शनिवार

मकर संक्रान्ति पर्व

सूर्यदेव धनुराशि से मकर राशि जाते जब,
इसी काल को मकर संक्रान्ति कहते तब।
सूर्यदेव की इसी दिन स्थिति परिवर्तित होती,
छ: माह दक्षिणायन बाद उत्तरायण होती।।

भीष्म पिता ने देहत्याग किया इसी दिन,
गंगा जी कपिल मुनि आश्रम पहुँची इसी दिन।
भागीरथ ने पूर्वजों का श्राद्ध किया इसी दिन,
सूर्यदेव पुत्र शनि से मिलन किया इसी दिन।।

आज से रात छोटी होती दिन है बढ़ता,
नदजल वाष्पन से स्नान महत्त्व है बढ़ता।
ठण्ड में तिल-गुड़ खा शरीर में शक्ति भरता,
खिचड़ी खाना पाचन क्रिया को दुरुस्त करता।।

विविध राज्यों में विविध भाँति मनाया जाता,
गंगा स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध किया जाता।
पतंग महोत्सव में पतंग उड़ायी जाती है,
इस तरह मकर संक्रान्ति मनायी जाती है।।

रचना-:
मनोज घिडियाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० कलीगाड
ब्लॉक- रिखणीखाल,
पौड़ी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/01/2022 **3806** दिन- शनिवार

सुमन

फूलों का क्या कहना बच्चों,
फूलों की बात निराली।
जो सींचे इनके जीवन को,
उनको कहते माली।।

मन्दिर जाते रोजाना,
सज पूजा की थाली।
जो सींचे इनके जीवन को,
उनको कहते माली।।

कहीं पर मिलते नीले-पीले,
कहीं पर लिए हैं लाली।
जो सींचे इनके जीवन को,
उनको कहते माली।।

जब ये हँसते रहते हैं तो,
महके गुलशन की डाली।
जो सींचे इनके जीवन को,
उनको कहते माली।।

रचनाकार
सुमन (प्र०अ०)
प्रा० वि० निस्तौली-2
लोनी, गाजियाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 15/01/2022

3807

दिन- शनिवार

लक्ष्य अगर तुम्हें पाना है,
संघर्षो से मत भागो।
अर्जुन-सा तुम ध्येय बनाकर,
सही नजर उस पर डालो।।

कठिन परिश्रम

चाणक्य गुरु की बात सुनो,
चन्द्रगुप्त-सा ताज लगाओ।
कठिन परिश्रम से ही प्यारे,
जग में अपना नाम कमाओ।

ईमानदारी से करो परिश्रम,
मंजिल तक स्वयं को ले जाओ।
सुनो बात पूजा की बच्चों,
संघर्षो से तुम मत घबराओ।

रचना-

पूजा त्रिवेदी (प्र०अ०)
प्रा० वि० छापर
तिन्दवारी, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15.01.2022 | 3808 | दिन- शनिवार

बादल आये

बादल आये, बादल आये,
आसमान पर बादल छाये।
नाव बनाकर हम तैरायें,
ताली पीटें मौज मनायें।।

पानी बरसे, ढप-ढप-ढप,
दौड़ लगायें पढ-पढ पढ।
चलो नहायें छप-छप-छप।
लड्डू खायें गप-गप-गप।।

बूँदें गिरती छम-छम-छम,
बिजली चमकी चम-चम-चम।
ढोल बजायें ढम-ढम-ढम,
झूला झूलें हम, हम, हम।।

बादल आये, बादल आये,
आसमान पर बादल छाये।
संग में नाचें, मौज मनायें।।
बादल आये, बादल आये।।

रचना
शीबा नाज़ अंसारी (प्र0अ0)
प्रा0 वि0 बैसनपुरवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/01/2022

3809

दिन- शनिवार

हिन्दी दिवस

अखिल विश्व की भाषाओं के,
सृजन का आधार है हिन्दी।
सच कह दूँ तो मानवता को,
भारत का उपहार है हिन्दी।।

देवों की वाणी संस्कृत का,
आधुनिक अवतार है हिन्दी।
वेद वाड़्मय, आदि ज्ञान का,
सुगम सरलतम सार है हिन्दी।।

सतत सनातन संस्कृति का,
साहित्यिक आधार है हिन्दी।
चारित्रिक मर्यादा, संयम,
सदा श्रेष्ठ आचार है हिन्दी॥

सभ्यताओं का सुगम समागम,
उन्नति और विस्तार है हिन्दी।
यहाँ अनेकता में सदा एकता,
करती ये साकार है हिन्दी॥

रचना-
धर्मेन्द्र 'सरस' (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय कोहला
मवाना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15-01-2022

3810

दिन- शनिवार

मकर संक्रान्ति

ठण्डी-ठण्डी हवाएँ जब,
अपना रुख बदलने लगें।
सूर्य देव धनु राशि से,
मकर राशि में प्रवेश करें।।

गुड़ की मिठास तिल संग,
बनाते मीठे पकवान हैं।
जब भारत के आकाश में,
पतंगें भरती उड़ान हैं।।

जब घर में खिचड़ी की खुशबू,
सबके मन को महकाती है।
सूर्य की स्थिति उत्तरायण हों,
मौसम में परिवर्तन लाती है।।

पवित्र नदियों में स्नान कर,
मन की दुविधा मिट जाती है।
मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर,
जीवन में खुशियाँ आती हैं।।

रचना-
निहारिका वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भूपालपुर (1-8),
निधौली कलाँ, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 17/01/2022

3811

दिन- सोमवार

मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय रवीन्द्र नगर,
लगता है सबसे सुन्दर।
चारों ओर हरे-भरे पेड़ लगे हैं,
सुन्दर महकते फूल खिले हैं।।

टी० एल० एम० से सुसज्जित कक्षा सारी,
जिनमें महापुरुषों की छवि न्यारी।
बच्चों के लिए उपलब्ध फर्नीचर,
पीने को स्वच्छ, शुद्ध जल।।

हाथ धोकर बच्चे पंक्ति में लगते,
टेबल पर दिन का भोजन करते।
साफ-सुथरे बच्चे विद्यालय आते,
कक्षा-शिक्षण में ध्यान लगाते।।

प्रोजेक्टर शिक्षण में आनन्द लेते,
नयी कहानी कविताएँ सीखते।
हर बच्चे का रखा जाता विशेष ध्यान,
मिल-जुल बच्चे सीखते, प्यार से एक समान।।

रचना-
गीता भट्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० रविन्द्र नगर
उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 17/01/2022 3812 दिन- सोमवार

मकर-संक्रान्ति

सूर्य का मकर राशि में होना,
यह दिन मकर-संक्रान्ति होना।
पर्व के रूप में इसे मनाया,
मन खुशियों से भर आया।।

अलग-अलग राज्यों में,
अलग-अलग नाम से मनाते।
पोंगल, लोहड़ी, बिहू, खिचड़ी,
मकर संक्रान्ति नाम दिए जाते।।

सूर्य उत्तरायण में हो जाता,
देवी-देवताओं का उदय हो जाता।
नदियों का स्नान करते,
जाप, दान और पुण्य करते।।

पतंगे भी हैं खूब उड़ाते,
गुड़, तिल के पकवान हैं खाते।
सबके जीवन में मिठास भरे,
हम बार-बार यही दुआ करें।।

रचना-
माला सिंह (स० अ०)
क० वि० - भरौटा
सरधना, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 17-01-2022

3813

दिन- सोमवार

संक्रान्ति

रंग-बिरंगे फूलों से महकी फुलवारी,
पीले सरसों के फूलों से सजी धरती प्यारी।
गुनगुनी धूप में किस्से मन को भाये,
गुड़, तिल, मूंगफली को जी ललचाये।।

पतंग, फिरकी दिखे चारों ओर,
कहीं है "कये पो-चे" का शोर।
सूर्य उत्तरायण में हो पर्व की मानें,
मोक्ष मिला भीष्म को जग है जाने।।

पौष माह, शुक्ल पक्ष बारहवें दिन है आती,
लोग खायें खिचड़ी, चिवड़ा, दही मनाते "संक्रान्ति"।
स्नान, दान, धर्म, कर्म कर प्रभु से यही मनायें,
सभी पर्व सबके जीवन मे खुशियाँ भर जायें।।

रचना
रीना (प्र०अ०)
प्रा०विद्यालय सेमरीडाँड़,
सोनभद्र

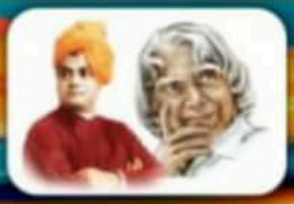

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 17.01.2022

3814

दिन- सोमवार

चन्दा मामा

चन्दा मामा, प्यारे-प्यारे,
लगते हमको न्यारे-न्यारे।
चम-चम कभी चमकते हो,
कभी गुम से हो जाते हो।।

आँख मिचौली का खेल तुम्हारा,
हमको बहुत ही भाता हैं।
लेकिन जब तुम न दिखते हो,
मन उदास हो जाता हैं।।

मम्मी ने आज बनाया हैं,
लड्डु मोतीचूर के।
खाना हैं तो आ जाओ,
जल्दी-जल्दी दौड़ के।।

रचना
शशि कुशवाहा (स०अ०)
क० वि० रामपुर घेरवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 17.01.2022

3815

दिन- सोमवार

तम्बाकू का अंजाम, मौत का पैगाम

नशे का शौक दे रहा कष्ट,
पी रहे बीड़ी, सुल्फा, सिगरेट।
ला रहे ये मौत का पैगाम,
कर रहे श्वसन अंगों को नष्ट।।

चबा रहे गुटका, तम्बाकू,
मानव अंगों में घोल रहे जहर।
जीभ, गला, आँत, अमाशय में,
फैला रहे असाध्य रोग कैंसर।।

सिगरेट, शराब, तम्बाकू के अंजाम,
न रहें मौत के पैगाम से अनजान।
रहें दूर इन नशीली चीजों से,
बनाएँ शरीर सुन्दर और बलवान।।

करें निषेध तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट का,
न करें सेवन मादक पदार्थों का।
होगी आर्थिक सम्पन्नता, खुशहाली,
पास न आएगा कोई पैगाम मौत का।।

तम्बाकू सेवन
आपको ऐसा बना देगा ।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 17/01/2022

3816

दिन- सोमवार

सर्दियाँ

जाड़ों में जब धूप खिले,
तो लगती बहुत सुहानी है।
सूरज के सँग सर्द हवा भी,
करती कुछ शैतानी है।।

जब पड़ता है कभी कुहासा,
अलसाई सी धूप लगे।
बीच खेत में बनी कुटी पर,
काली चादर तानी है।।

इन्सां घर में छिप कर बैठा,
शीत लहर के आने पर।
देख परिंदों ने तो फिर भी,
उड़ जाने की ठानी है।।

मोर-मोरनी के संग नाचे,
देख हुआ मतवाला मन।
खेतों में जब सरसों फूले,
लगती मिट्टी धानी है।।

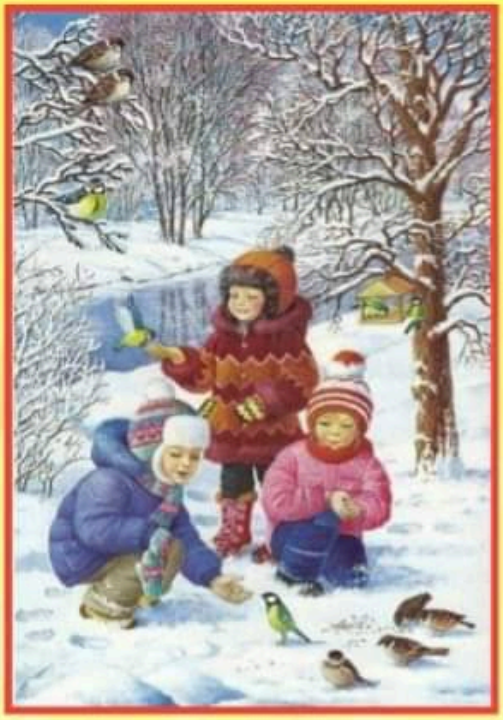

मौसम बदल रहा है पल-पल,
कभी धूप तो छाँव कभी।
हाथ में यह सब क़ुदरत के,
जिसका न कोई सानी है।।

रचना -
फ़राह हारून "वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़ियाभांसी,
सालारपुर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 17/01/2022

3817

दिन- सोमवार

मैं हूँ फूल

मैं हूँ फूल, मैं हूँ फूल,
मैं हूँ रंग-बिरंगा फूल।
मेरे दल हैं कितने सुन्दर!
खुशबू भी है मेरे अन्दर।।

पुष्पासन पर रहता मैं,
ढका रहता बाह्यदल से मैं।
सजाता आभूषणों को मैं,
सुख में शोभा बढ़ाता मैं।।

रचना-
वंदना सोलंकी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 निवादा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/01/2022

3818

दिन- मंगलवार

हम भारत के बच्चे

ना कभी हारे हैं,
ना कभी हारेंगे।
जिद जो ठानी है,
पूरा कर मानेंगे।।

हम बच्चे भारत के,
कमजोर कैसे है?
हल्के में ना लेना,
ना ऐसे-वैसे है।।

सितारे छू लेंगे,
गगन को चूमेंगे।
तराना वो होगा,
कि सब झूमेंगे।।

किसी से ना डरते,
वतन पर हैं मरते।
गर्व दुनिया को हो,
काम ऐसे करते।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 18-01-2022

3819

दिन- मंगलवार

रास्ते में एक पत्ता था

खेत का रास्ता पक्का था,
रास्ते में एक पत्ता था।
पत्ता आम के पेड़ का था,
आम बहुत ही कच्चा था।।

कच्चे आम को खा रहा,
नन्हा सा एक बच्चा था।
नन्हें बच्चे की पीठ पर,
लाल रंग का बस्ता था।।

बस्ते के ऊपर की जेब में,
मीठा सा एक खस्ता था।
मीठा सा खस्ता बच्चे को,
लगता बड़ा ही अच्छा था।।

आधे अक्षर वाले शब्दों की रचना

अच्छी तो लस्सी भी थी,
लस्सी जो कुल्हड़ में थी।
कुल्हड़ वाली लस्सी लेकिन,
बड़ी स्वाद में खट्टी थी।।

रचना
पारुल शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सहावर
जनपद- कासगंज

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-18/01/2022

3820

दिन- मंगलवार

हम सब एक हैं

हम सब भारतीय एक हैं,
भले ही संख्या में अनेक हैं।
हम सब बच्चे हैं नादान,
करते हैं सबका सम्मान।।

करते हैं इज्जत सबकी,
भलाई करें हमेशा सबकी।
आज अपना बेहतर बनाएँ,
अपने कल को हम सजाएँ।।

अच्छी बातें हम करते हैं,
बड़ों की इज्जत करते हैं।
कभी किसी को नही सताते,
हँस-खेल कर सबको हँसाते।।

भले ही वेश भूषा है अलग,
पर मिलकर रहते हैं सब।।
आज किया है प्रण हमने,
हम चले सपना सच करने।।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18-01-2022

3821

दिन- मंगलवार

पशु-पक्षी हैं मित्र हमारे

पशु-पक्षी हैं मित्र हमारे,
ये सदा संतोषी प्राणी हैं।
मत सताओ, तरस खाओ,
ये निश्छल मूक प्राणी हैं।।

इनको मत काटो, मत खाओ,
जीभ का स्वाद मत बनाओ।
मांसाहारी भोजन करके,
बीमारी को मत फैलाओ।।

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई,
सब शाकाहारी बन जाओ।
अण्डा, मांस, मछली को त्यागो,
दूध, फल, मेवा से शक्ति पाओ।।

"अनुपम" की है शुभकामना,
सब स्वस्थ रहें, निरोग रहें,
पशुओं को जीवन देकर,
शाकाहार का प्रचार करें।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
पू० मा० वि०, मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

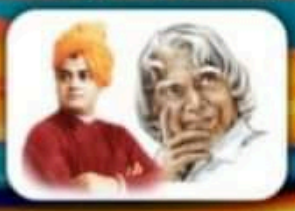

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18-01-2022

3822

दिन- मंगलवार

हमारी प्यारी हिन्दी

हिन्दी से प्यार है,
हिन्दुस्तान से प्यार है।
अपने भारत के,
हर इन्सान से प्यार है।
जीवन समर्पित है,
हिन्दी विकास को।
मातृभाषा हिन्दी के,
सम्मान से प्यार है।।

भाषा अतिप्यारी है,
यह पहचान हमारी है।
हमारे हिन्द की हिन्दी है,
बड़ी प्यारी हिन्दी है।
अपनापन दिखाती है,
हमें प्यार सिखाती है।
भारत माता की बिन्दी है,
बड़ी प्यारी हिन्दी है।।

रचना-
प्रदीप कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बलिया
ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/01/2022

3823

दिन- मंगलवार

उड़ी रे पतंग

उड़ी-उड़ी रे पतंग उड़ी,
रंग-बिरंगी पतंग उड़ी।
लाल, हरी, नीली, पीली,
गुलाबी, बैंगनी, सफेद, काली।।

यह लो मीकू यह लो चीकू,
पापा ने जब आवाज लगायी।
पक्का धागा, पक्का मांझा,
सब बच्चों ने खुशी मनायी।।

इसका काटा, उसका काटा,
मोहल्ले में होता शोर-सपाटा।
बबलू ने फिर पेंग बढ़ायी,
पतंग लूटकर मिठाई खायी।।

रचना
अर्चना गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बड़ोखर बुजुर्ग
बड़ोखर, बाँदा

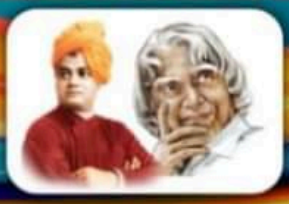

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18-01-2022

3824

दिन- मंगलवार

जाड़े की धूप

आँख-मिचौली खेलें सूरज,
जाड़े में बड़ा सताते हैं।
पड़े जरूरत प्रतिदिन इनकी,
दर्शन दुर्लभ हो जाते हैं।।

अनुरागी जमने से पहले,
रहे प्रवाह गतिशील तन में।
स्थान जरा सा जब-जब ले ले,
सुबह-सुबह की धूप बदन में।।

पोषक तत्व संग ऊर्जा स्रोत,
विटामिन "डी" से जो भरपूर।
रोग दोष निकट नहीं आये,
रहे हमेशा तन से दूर।।

होने से आगमन सूर्य का,
दीन-दु:खी बन जाते भूप।
ठिठुरते हुए तन पर इनके,
उतर आती जाड़े की धूप।।

रचना-

ऋषि कुमार दीक्षित (स०अ०)
प्रा० वि० भटियार
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/01/2022

3825

दिन- मंगलवार

अच्छा लगा

पहले दिन विद्यालय यूँ,
आना-जाना अच्छा लगा।
संग दोस्तों के हर पल यूँ,
मौज उड़ाना अच्छा लगा।।

रंग-बिरंगी दीवारों पर,
कुछ फोटो बने-बनाये थे।
उनके नीचे अनजाने से,
कुछ अक्षर लिखे-लिखाये थे।
देख-देख कर फिर इन सबसे,
हमको बतियाना अच्छा लगा।।

कक्षा में फिर अध्यापक ने,
पहला हमको पाठ पढ़ाया ।
हाथ जोड़कर करो नमस्ते,
बड़ी सरलता से समझाया ।
तौर-तरीका समझाने का,
सच कहते हैं, अच्छा लगा।।

हुयी थकान जो पढ़ते-पढ़ते,
फिर कुछ ऐसे भी पल आये ।
साथ ले जाकर मैदान में,
शिक्षक ने कुछ खेल खिलाये ।
प्यारे-प्यारे इतने सारे,
खेल खिलाना अच्छा लगा।।

रचना -
राजवीर सिंह तरंग (प्र.अ.)
उ० प्रा० वि० (1-8) सिलहरी,
सालारपुर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/01/2022

3826

दिन- मंगलवार

मकर संक्रान्ति

मकर संक्रान्ति का त्योहार,
मनाये सारा हिन्दुस्तान।
कहीं लोहड़ी तो, कहीं पोंगल पुकारें,
कहीं संक्रान्ति तो कहीं घुघुतिया जानें।।

पावन, पवित्र संस्कृति का त्योहार,
दान-धर्म, पूजा-पाठ से सरोकार।
दही, खिचड़ी, तिलकुट बनाकर,
हम सब खायें मिल-बाँटकर।।

सूर्य देव विराजें उत्तरायण में,
सब शुभ-काज प्रारम्भ करें।
पवित्र स्नान-ध्यान कर हम सब,
शुभ फल धन-धान्य प्राप्त करें।।

सर्द हवाएँ ठिठुरन भी,
अब कम होती जाती है।
नर्म-गर्म सा मौसम हो,
तपिश सूर्य की बढ़ जाती है।।

रचना-:
सुनीता भटनागर (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० पनिया मेहता
वि०ख०- भीमताल, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19/01/2022

3827

दिन- बुधवार

आँखें

पाँच ज्ञानेंद्रियों में से एक,
होती हैं हमारी आँखें।
अन्धेरे से उजाले की ओर,
ले जाती हैं हमें आँखें।।

भूमि पर जन्म लेते ही,
खुल जाती हैं आँखें।
जीवन में ठोकर खाकर,
भी खुल जाती हैं आँखें।।

जीवन के सुन्दर सपने,
सजाती हैं हमारी आँखें।
हर गुण और अवगुण को,
दिखाती हैं हमारी आँखें।।

दर्द में रोती हैं तो खुशियों,
में मुस्कुराती हैं आँखें।
आँसू के सच्चे मोती भी,
बहाती हैं आँखें।।

पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

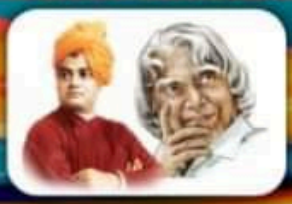

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19.01.2022

3828

दिन- बुधवार

ऑनलाइन कक्षा

एक वक्त ब्लैकबोर्ड था,
गुरुजी के ज्ञान का खजाना।
इसके बिना नहीं होता था,
किसी का पढ़ना-पढ़ाना।

लेकिन वह वक्त हुआ पुराना,
अब है मोबाइल का जमाना।
जिसके हाथ में दिखते ही,
पहले सुनना पड़ता था ताना।

जब से आयी है त्रासदी,
हर कार्य हो गया पस्त।
इस ऑनलाइन कक्षा से ही,
शिक्षा न हुयी अस्त।।

नयी सदी का यह अविष्कार,
दे रहा नये-नये अनुभव।
बिना विद्यालय जाए शिक्षा पाना,
ऑनलाइन कक्षा से ही सम्भव।।

रचना

आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

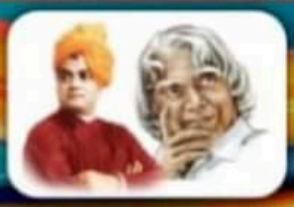

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19.01.2022

3829

दिन- बुधवार

सरस्वती पुत्र शिक्षकगण

जब से लिया है जन्म तब से,
हो रहा जीवन में शब्दों का संचार।
माँ है पहली शिक्षक जिसने,
दिया सशब्द खूब सारा प्यार।।

माँ से लेकर शिक्षार्थी के,
शिक्षक से जुड़ते गए तार।
शिक्षक में पाया हमने,
ज्ञान का भरा भण्डार।।

ज्ञान रूपी दीपक से हमें
ऊर्जा दी अपार।
खुद जलकर दीपक की तरह,
हमें दी शीतलता और प्रकाश।।

सरस्वती पुत्र शिक्षक गण,
समाज और देश को बनाते एक परिवार।
उनकी योग्यता और कुशलता से,
सृजित होता नया संसार।।

रचना-:
लक्ष्मी (स०अ०)
रा० इ० का० मल्ला भैंस्कोट
मुनस्यारी, पिथौरागढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19.01.2022 **3830** दिन- बुधवार

हमारा संकल्प •••••

हम पढ़-लिख कर होशियार बनें,
बस, मन में यही ठाना है।
अपने श्रम अपनी निष्ठा से,
हमको मंजिल पाना है।।

भारत माता की कीर्ति ध्वजा,
सारे जग में फहराना है।
अपने श्रम के पुष्पों से,
कोना-कोना महकाना है।।

नयी ऊर्जा के साथ हमें,
नया उजाला लाना है।
दृढ़ संकल्पों के संग चलकर,
हमें अपने लक्ष्य को पाना है।।

विश्वास अटूट विज्ञान के संग,
अन्धविश्वास को दूर भगाना है।
प्राणों की यदि पड़े जरूरत तो,
देश पे मर-मिट जाना है।।

रचना:-
श्वेता मिश्रा, संस्कृति मिश्रा
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद-चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19-01-2022 3831 दिन- बुधवार

मेरा घर

कितना सुन्दर, कितना प्यारा,
मेरा घर है जग से न्यारा।
धूप ठण्ड से मुझे बचाता,
बारिश को भी दूर भगाता।।

सुन्दर सा है इसमें कमरा,
जिसमे पढ़ें बच्चे हमेशा।
कितना सुन्दर कितना प्यारा,
मेरा घर है जग से न्यारा।।

सुन्दर सा है इसमें बगीचा,
जिसमें खेलें बच्चे हमेशा।
रखता साफ मैं अपना घर,
सुन्दर प्यारा, मेरा घर।।

रचना
शगुफ्ता (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय- सहावर
सहावर, कासगंज

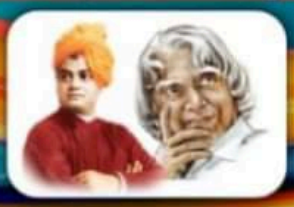

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19/01/2022

3832

दिन- बुधवार

मतदाता जागरूकता स्लोगन

अपना फर्ज निभायेंगे।
वोट डालने जरूर जायेंगे।।

पहले मतदान करें।
फिर जलपान करें।।

मत देना अपना अधिकार।
बदले में न लो उपहार।।

न कोई बहाना है।
वोट डालने जाना है।।

सोच समझकर बटन दबाना।
जनहित की सरकार बनना।।

आओ मिलकर मतदान करें।
राष्ट्र निर्माण की बात करें।।

वोट हमारी ताकत है।
यह पहचानने का वक्त है।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19.01.2022

3833

दिन- बुधवार

आत्मविश्वास

जीवन है सुख-दुःख का सागर,
जीवन के रंग समझना होगा।
जीना है इस संसार में बेहतर।
धैर्य मन में धरना होगा।।

है काली अँधेरी रात तो क्या,
आत्मविश्वास मन में भरना होगा।
सूरज को तो चमकना होगा,
धैर्य मन में धरना होगा।।

नहीं होते सभी एक जैसे,
जो भी हैं, जैसे भी हैं हम।
अस्तित्व स्वीकार करना होगा,
धैर्य मन में धरना होगा।।

उगता सूरज कहता कहानी सारी,
कोशिश निरन्तर करते रहो सारी।
अपनी बारी का इन्तजार करना होगा,
धैर्य मन में धरना होगा।।

रचना
रीना कुमारी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

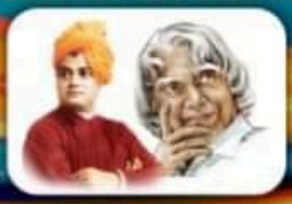

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-20.01.2022 **3834** दिन-गुरुवार

व्यंजन पहेलियाँ
भाग-02

1.
आलू, मटर, भरा है अन्दर,
बड़ा चटपटा, मसालेदार।
तीन कोने का, रंग सुनहरा,
चटनी के संग बड़ी बहार।।

3-
ठण्ठी-ठण्डी और मैं मीठी,
सब बच्चों को भाती हूँ।
होते फ्लेवर बहुत हैं मेरे,
गर्मी दूर भगाती हूँ।।

2-
मटर, चटपटा पानी भरकर,
ठेलों पर मुझे लोग हैं खाते।
गोल-गोल मैं दिखता हूँ और,
बच्चे-बूढ़े सब ललचाते।।

4-
दही, बर्फ और चीनी के संग,
सूखे मेवे डाल बनाते।
पौष्टिक, शीतल पेय मैं अच्छा,
बड़े चाव से पीते-पिलाते।।

उत्तर- 1* समोसा 2*गोलगप्पा* 3*आइसक्रीम 4* लस्सी

शिखा वर्मा (इं0प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20.01.2022 **3835** दिन- गुरुवार

आज सुबह की प्रार्थना सभा में,
मैडम ने एक जरूरी बात बतायी।
कल से रात को बैठ के बच्चों,
मिल कर सब करो खूब पढ़ाई।।

सफाई का सब रखना ध्यान,
गन्दगी का न हो नामों-निशान।
अच्छाई तुम जग में फैलाना,
बुराई पर तुम न देना ध्यान।।

खुश रहते जिनसे माँ और बाबा,
होता नहीं कोई उनसे नाराज।
उनकी सेवा कर पुण्य कमाना,
पाप कर्म का करना नाश।।

दूर आसमान में छोटी चिड़िया,
बड़ा सा एक बन्दर बैठा पास।
कक्षा के सब अन्दर रहना,
बाहर जाओ जब काम हो खास।।

आओ सीखें विलोम शब्द

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20.01.2022 **3836** दिन- गुरुवार

•आखिर सेव नीचे क्यों आया?

एक महान वैज्ञानिक चिन्तक,
न्यूटन था जिनका नाम।
एक नया सिद्धान्त खोजकर,
दिया नया पैगाम।।

जब सेव धरती पर आया,
न्यूटन का माथा चकराया।
तब न्यूटन ने पता लगाया,
आखिर सेव नीचे क्यों आया?

पृथ्वी में गुरूत्वाकर्षण बल है,
यही सत्य सिद्धान्त अटल है।
जब धरती बल जोर लगाए,
गिरकर चीज धरा पर आए।।

रचना:-
स्वाती केसरवानी (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद-चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20-01-2022

3837

दिन- गुरुवार

सैनिक

वतन मेरा चैन से सो ले,
तो हम रातों में जाग लेंगे।
कोई जो हमसे टकराये,
तो उसकी जान ले लेंगे।।

वतन के वास्ते सुन लो,
यहाँ हर ज़ख्म सह लेंगे।
अगर जो मौत भी आयी,
तो सीने से लगा लेंगे।।

दिखावे हम नहीं करते,
जो दिखावे में जी लेंगे।
लगे जो ज़ख्म कोई तो,
खुद ही हाथों से सी लेंगे।।

ना हिन्दू हूँ, ना मुस्लिम हूँ,
यहाँ सब साथ जी लेंगे।
चमन आबाद रहे हरदम,
तो हम हर हाल जी लेंगे।।

रचना

सुनील कुमार (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय
जौंरा, औरैया।

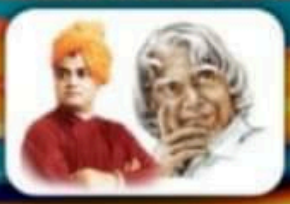

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20/01/2022 3838 दिन- गुरुवार

मृत्यु : एक सच

जब जन्म ले लिया है,
तो मृत्यु भी पाएँगें।
जाते-जाते इस जहाँ से,
बहुतों को रुलाएँगे।।

जिनसे सोच रहे थे, मिलने की,
वही अन्तिम दर्शन को आएँगे।
आज पड़े हैं, जो बेसुध से,
कल तस्वीरों में नज़र आएँगे।।

कुछ दिन, माह, बरस,
लोगों को याद बहुत आएँगे।
मगर पता भी नहीं चलेगा,
कब स्मृतियाँ बन जाएँगे।।

जिनके बिना असम्भव था, जीना,
उनके बिना भी जीना सीख जाएँगें।
सच है, कभी आये थे रोते-चिल्लाते,
एक दिन खामोशी से गुज़र जाएँगें।।

रचना-
स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- **00-01-2022** **3839** दिन- **गुरुवार**

बालक की पुकार

हठ कर बैठा नन्हा बालक,
माता से करता मनुहार।
मम्मी लिख दो एक पाती,
ऐसी छुट्टी ना मुझको भाती।।

पापा से एक पतंग मंगवाकर,
डोर से बाँध फिर वो पाती।
भगवान के पास पहुँचाऊँगा,
प्यार भरी बातों से समझाऊँगा।।

चारों तरफ है मायूसी छायी,
तुम इस विपदा को टाल दो।
हे मेरे ईश्वर इस महामारी को,
जग से बाहर निकाल दो।।

दो हमें फिर वो बेखौफ माहौल,
जब हमारे प्यारे स्कूल मुस्काएँ।
खुशहाल बन जाए फिर जीवन,
कुछ ऐसा चमत्कार करो भगवन।।

रचना
ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20-01-2022

3840

दिन- गुरूवार

माँ
सिन्धु सकपाल

14 नवम्बर 1948 को महाराष्ट्र के,
वर्धा जिले में सिन्धुताई का जन्म हुआ।
पिता अभिमान साठे की आर्थिक,
स्थिति के कारण शिक्षा का विरोध हुआ।।

10 वर्ष की आयु में सिन्धुताई का,
30 वर्षीय श्रीहरि सकपाल से विवाह हुआ।
विवाह के बाद से ही सिन्धुताई व बच्चों का,
विभिन्न प्रकार से शोषण किया गया।।

ढेरों समस्याओं का सामना करके ताई ने,
अपना जीवन आनाथों को समर्पित किया।
1050 बच्चों को गोद लेकर ताई ने,
273 पुरस्कारों को अपने नाम किया।।

अनाथों की माँ सिन्धुताई सकपाल को,
2022 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।
4 जनवरी 2022 को सिन्धुताई ने अपने,
नश्वर शरीर से स्वयं को अलहदा किया।।

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20.01.2022

3841

दिन- गुरुवार

मेरे सपनों का भारत

जहाँ न नफरतों का रंग हो,
जहाँ भी जायें सब संग हों।
आपसी प्रेम और दिल में,
कुछ करने की उमंग हो।।

जहाँ ना किसी को जाति के,
नाम पर दुत्कारा जाता हो।
ना ही कोई बच्चा गरीबी के कारण,
पढ़ाई से वंचित रह जाता हो।।

जहाँ न दहेज की लालसा में,
बेटियाँ जलायी जाती हों।
जहाँ ना ही बेटे के लालच में,
गर्भ में ही बेटियाँ मिटायी जाती हों।।

जहाँ बच्चे बड़े होने पर भी,
अपनी माँ के साथ रहते हों।
जहाँ पिताजी का आदर हो,
मेरे सपनों का भारत कुछ ऐसा हो।।

रचना

दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
वि०ख०- कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20.01.2022

3842

दिन- गुरुवार

भीतर प्रकाश करुँगी

पढ़ाया है गुरुजनों ने जो पाठ,
उसको मन लगाकर पढ़ूँगी।
बाहर के प्रकाश को भूल,
भीतर प्रकाश करुँगी।।

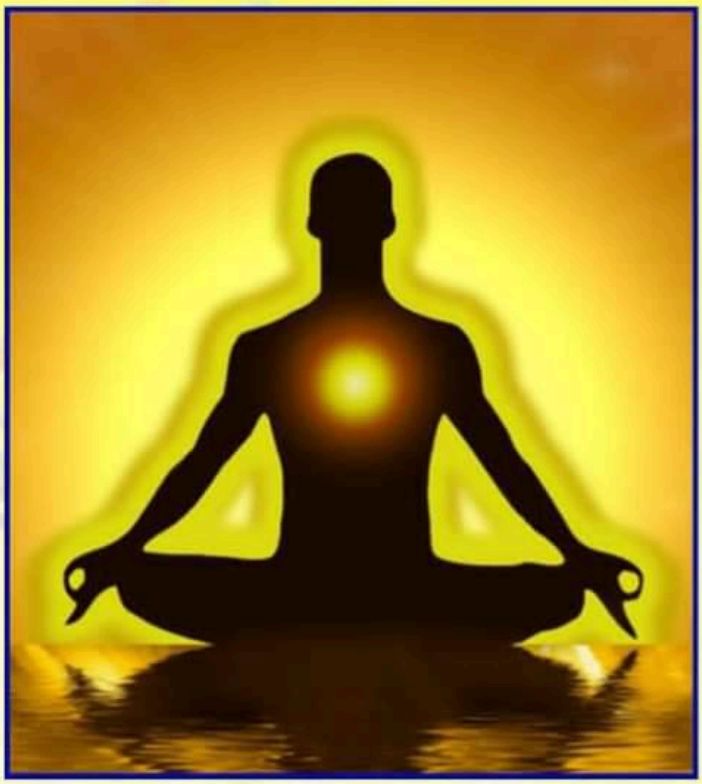

अब ना भागूँगी किसी के पीछे,
अपने अन्दर ऐसा ज्ञान भरुँगी।
दौड़ आयेगा जमाना मेरे पीछे,
अब तो ऐसा आगाज करुँगी।।

जलाऊँगी एक दिया ऐसा,
जिसके प्रकाश में नहाऊँगी।
मैं चहुँ और प्रकाश करुँगी,
एक नयी मिसाल बनूँगी।।

आगे बढ़ने की अब तो ठानी है,
राह कठिन है यह बात भी मानी है।
काँटों को चुन-चुनकर एक तरफ रखूँगी,
कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करुँगी।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

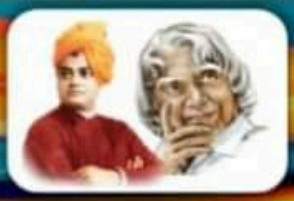

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-20/01/22

3843

दिन- गुरुवार

गणतन्त्र दिवस

आओ पताका तीन रंग की,
हम मिलकर फहराते है।
माह जनवरी तिथि 26 को,
हम गणतन्त्र मनाते हैं।।

नमन शहीदों को करके हम,
श्रद्धा सुमन चढ़ाएँगे।
संविधान का पालन करके,
जागरुक बन जाएँगे।।

हम बच्चे मिलकर सब,
भेदभाव मिटाएँगे।
लिए हाथ में हाथ देश में,
भातृभाव फैलाएँगे।।

लाल किले की चोटी पर,
जब ध्वज अपना फहराएगा।
हर एक देशभक्त का,
मन पुलकित हो जाएगा।।

रचना

योगिनी श्रीवास्तव(स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरमुरा
चोपन,सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20-01-2022

3844

दिन- गुरुवार

रोज सुबह

रोज सुबह चिड़ियों से पहले,
दादी अम्मा नित जग जातीं।
जाड़े में ले थोड़ा पानी,
चूल्हे में उसको गरमातीं॥

भर गिलास पी गुनगुन-गुनगुन,
सैर-सपाटा नित्य लगातीं।
आकर लौट उषा बेला में,
हम बच्चों को पुनः जगातीं॥

लकड़ी-कण्डा रख गोरसी में,
लेकर आग अलाव जलातीं।
पास उसी के बैठा करके,
घर भर को वह खूब तपातीं॥

लेकर संग सभी बच्चों को,
अपने साथ बहुत दौड़ातीं।
कथा-कहानी उनसे सुनते,
जब वह अपने ढिग पौढ़ातीं॥

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायाँ, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21.01.2022 | 3845 | दिन- शुक्रवार

सूरज दादा

सूरज दादा, सूरज दादा!
धूप कहाँ से लाते हो?
इतनी गर्मी करके तुम,
कितना हमें सताते हो!

सर्दी के मौसम में आकर,
ठण्ड से हमें बचाते हो।
बारिश के मौसम में आकर,
इन्द्रधनुष दिखलाते हो।।

शाम होते ही लेकिन क्यों?
तुम सबसे छुप हो जाते हो?
मेरी तरह तुम भी क्या!
अँधेरे से डर जाते हो ?

रचना
शशि कुशवाहा (स०अ०)
क० वि० रामपुर घेरवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- **21-01-2022** **3846** दिन- **शुक्रवार**

सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम्

अकड़न, बकड़न, तिकड़म,
दिलों में है ये क्यों जकड़न?
छल-दम्भ-द्वेष का हो न मन,
आनन्द के नृत्य की हो थिरकन।।

अकड़न, बकड़न, जकड़न,
करे न कोई किसी से अनबन।
समझ का स्तर बढ़ता जाये,
संसार जाल में रहे न उलझन।।

जजंतरम-ममंतरम-छूमंतरम,
क्लेश सभी के हों छूमंतर।
स्वस्थ हृदय सरल सभी के हों,
बाँटें सब खुशियाँ भर-भर।।

सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्,
हिंसक न होने पाएँ हम।
मन-वाणी में एकरूपता हो,
करूण, प्रेम से भरे रहें हम।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू० मा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21/01/2022

3847

दिन- शुक्रवार

टिम-टिम तारे

टिम-टिम करते आसमान में तारे हैं,
कितने सुन्दर, कितने प्यारे-प्यारे हैं।
चम-चम चमकीले बहुत सारे हैं,
टिम-टिम करते आसमान में तारे हैं।।

मन करता है मैं इनको घर ले आऊँ,
घर लाकर मैं आँगन अपना सजाऊँ।
बहुत दूर हैं ये तो बहुत निराले हैं,
टिम-टिम करते आसमान में तारे हैं।।

कोई लाल, कोई नीला, कोई है सजीला,
चमकते हर रंग में बनकर रंगीला।
मेरी तरह ये भी देखो मतवाले हैं,
टिम-टिम करते आसमान में तारे हैं।।

बिखरे हैं ऐसे जैसे आसमान में मोती,
होती पास मैं तो माला एक बनाती।
देखो-देखो ये तो हँसते-मुस्कुराते हैं,
टिम-टिम करते आसमान में तारे हैं।।

रचना-

रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21/01/2022

3848

दिन- शुक्रवार

मेरा देश

भारत देश हमारा,
हमको प्राणों से प्यारा।
यहाँ बहती नदियाँ धारा,
है ये जग से न्यारा।।

यहाँ हर मौसम रंगीला,
नही जाति-धर्म का भेद यहाँ।
है ऊँची संस्कृति जग में,
मानवता का इतिहास यहाँ।।

कहीं होली के अबीर, गुलाल,
कहीं बैसाखी के मेले।
कहीं ईद की सेंवईयाँ,
तो कहीं दिवाली के मेले।।

हर रंग समेटे है देखो,
अलबेला देश हमारा।
सब धर्मो से सजा हुआ,
ये भारत देश हमारा।।

रचना

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21.01.2022

3849

दिन- शुक्रवार

शिक्षक

सच है माँ हमें जीवन देती,
और पिता हैं हमारे रक्षक।
ज्ञान का प्रकाश फैलाकर,
मानवता का पाठ पढ़ाते शिक्षक।।

सत्य बोलना, नेक कर्म करना,
कार्यों का आभास दिलाते शिक्षक।
जीवन पथ पर सही गलत का,
सम्पूर्ण ज्ञान कराते शिक्षक।।

ऋषि मुनि यह बतलाते हैं,
ईश्वर से बढ़कर हैं शिक्षक।
देकर अपने ज्ञान की पूँजी,
हमें योग्य बनाते हैं शिक्षक।।

लिखना पढ़ना है बहुत जरुरी,
इसका बोध हमें कराता कौन?
अगर न होते शिक्षक इस जग में,
विवेकानन्द, कलाम बनाता कौन?

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21.01.2022 **3850** दिन- शुक्रवार

माँ भारती

भारती तव वन्दना में,
हृदय पुष्प है अर्पित मेरा।
स्वर्णिम यादें आजादी की,
नतमस्तक है तन-मन मेरा।।

सुखमय दिन अब आयेगा,
सुमिरन तव मन से होगा।
तन-मन-धन सब तेरा है,
चपल क्षणिक पल मेरा है।।

अमित छवि निखरती आती,
चमक-चमक शोभा है आती।
रह-रह कर उर में यादें आती,
शरद, ग्रीष्म अरु शीत लुभाती।

तन-मन-धन सब सम्पन्न तेरा,
अजर-अमर सत् रूप है तेरा।
जन्म-मरण तक सुमिरन तेरा,
अर्पण वन्दन नमन है मेरा।।

रचना
सरोज डिमरी (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21/01/2022

3851

दिन- शुक्रवार

मकर संक्रान्ति

आओ मनाएँ मकर संक्रान्ति का दिन,
तिल के लड्डू खाने का दिन।
खुशियाँ खूब मनाने का दिन,
पतंग रंग-बिरंगी उड़ाने का ये दिन।।

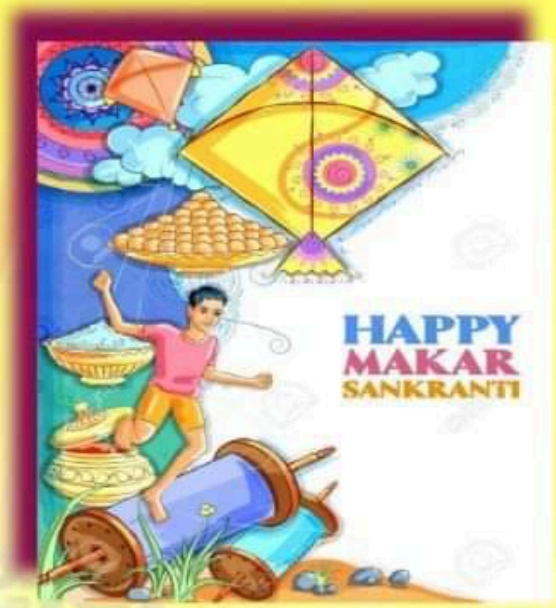

इस दिन गंगा में डुबकी लगाते हैं,
स्वाद भरी खिचड़ी सब खाते हैं।
गन्ने का रस बढ़ाता होठों की मिठास,
तिल भी अपना संगीत सुनाते हैं।।

लाल, गुलाबी, नीली-नीली,
हरी, सफेद और पीली-पीली।
आकाश भरा इन पतंगों से,
कोई है तेज, कोई है ढीली।।

बड़ा ही पावन ये त्योहार,
दान-धर्म का है इससे सरोकार।
बड़ा ही अद्भुत, बड़ा ही सुन्दर,
मिलता हमको इसमें उपहार।।

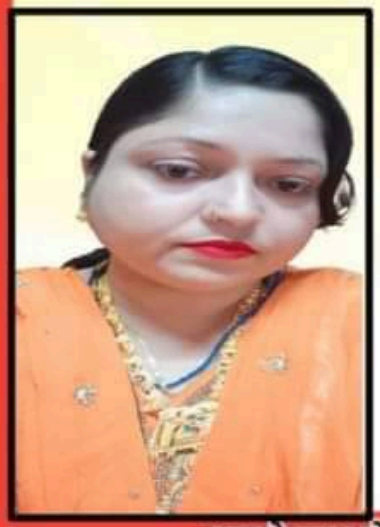

रचना-
निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21-01-2022

3852

दिन- शुक्रवार

पतंग

सतरंगी हो रहा आसमां,
इन्द्रधनुष सा लगता आज।
बच्चे, वृद्ध, प्रौढ़, जवान सब,
पतंग करे हर हिय पर राज।।

नीली, पीली, लाल, बैंगनी,
पतंग उड़ी गगन की ओर।
अचानक यदि कटी पतंग,
बच्चे भागते हैं उस छोर।।

एक गगन में हुई समाहित,
देती है हम सबको संदेश।
हिल मिलकर रहना घर में,
सुनो पतंगों का शुभ आदेश।।

जैसे पतंग बँधी डोर से,
वैसे रिश्तों को तुम बाँधना।
नफरत, बैर सभी बुलाकर,
प्रेम सदा मन में रखना।।

रचना
गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, औरैया

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22/01/2022

3853

दिन- शनिवार

तर्ज- साजन मेरा उस पार है..

चुनेंगे अपनी सरकार है

वोट डालने का विचार है,
चुनना सही प्रतिनिधि इस बार है।
नहीं चूकेंगे इन्तजार है,
जन-हितकारी चुनें सरकार है।।
हर दम नहीं जाति-पाति को जो पूछे,
दुःखी और जनमानस का जो काम करे।
ई० वी० एम० बटन का इन्तजार है,
आयी चुनाव-चिन्हों की बहार है।।
गलती चुनने में हमें नहीं करनी,
सरकार, सुशासन की अब चुननी।
स्वास्थ्य, स्वच्छता का सरोकार है,
शिक्षित युवा को मिले रोजगार है।।
सुयोग्य, नीति-निपुण, प्रतिनिधि हो,
रखे समभाव, देशहित निर्णय हो।
कम जो करे महगाई की मार है,
ऐसी चुनेंगे हम सरकार है।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० ख० व जिला- मथुरा

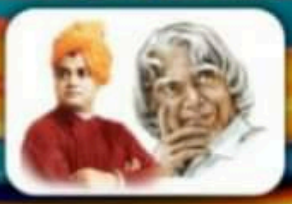

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22-01-2022

3854

दिन- शनिवार

प्यारा-प्यारा गाँव

प्यारा-प्यारा होता गाँव,
पेड़ों की सुखमई है छाँव।
खेतों की फैली हरियाली,
भैंसें घूमें काली-काली।।

बाग-बगीचे सुन्दर-सुन्दर,
पक्षी चहकें उनके अन्दर।
चूल्हे पर रोटी है बनती,
सौंधी-सौंधी खुशबू उड़ती।।

गाँव में किसान हैं रहते,
खेतीबाड़ी वो हैं करते।
गाय, भैंस का पालन होता,
दुग्ध डेयरी काम भी होता।।

मिल-जुलकर त्योहार हैं मनते,
सबके दिल में सपने सजते।
गाँव के बच्चे खूब पढ़ें,
पढ़-लिखकर वो अफसर बनें।।

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22/01/2022

3855

दिन- शनिवार

मन्दिर का महत्व

सकारात्मक शक्ति है मन्दिर,
ईश्वर की अनुभूति है मन्दिर।
शिक्षा के प्रतीक हैं मन्दिर,
ज्योतिष, आयुर्वेदिक मन्दिर।।

अवतारों के रूप में मन्दिर,
शपथ शक्ति के रूप में मन्दिर।
जन-मानस अभिलाषा मन्दिर,
एक गाँव की आशा मन्दिर।।

मन्दिर है इतिहास की जान,
स्थापत्य कला का ज्ञान।
मन्दिर है वैचारिक भाषा,
दर्शन, धर्म, जीवन-प्रत्याशा।।

रचना

अनिल कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० तेलियानी (प्रथम)
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22/01/2022

3856

दिन- शनिवार

हमारी आवाज़ सुनो

सुनों-सुनों! धरती के लाल,
हमारा भी कुछ कर लो ख्याल।
माँगें हम जीवन की भीख,
जीने दो हम को भी ठीक।।

रंग-बिरंगे हम सुन्दर पंछी,
कलरव कर हम तुम्हें हँसाते।
रात में जब तुम सो जाते,
सुबह-सवेरे तुम्हें जगाते।।

हम आसमान में उड़ने वाले,
बागों में हम रहने वाले।
पिंजरों में क्यों करते बन्द?
हमें उड़ने दो स्वछन्द।।

हम पंछी हैं सब नादान,
दया करो मानव महान।
संकट में जीवन हमारा,
लगा दो वृक्ष घराना हमारा।।

रचना-
प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

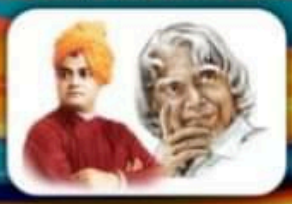

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22/01/2022

3857

दिन- शनिवार

प्यारा स्कूल

न्यारा-न्यारा स्कूल हमारा,
लगता संसार से प्यारा।
रोज सबेरे समय से खुलता,
खेल-खेल में ज्ञान मिलता।।

पढ़ते-लिखते खूब मजे से,
कक्षा-कक्ष खूब सजे से।
ऊँचे-ऊँचे पेड़ लगे हैं,
क्यारी में फूल सजे हैं।।

दीवारों पर अनमोल विचार,
रंग-बिरंगे चित्र बने हैं।
रोज हमको भोजन मिलता,
सोमवार को फल भी बँटते हैं।।

सर मैडम जी खूब पढ़ाते,
बीच-बीच में खेल खिलाते।
मन लगाकर हम भी पढ़ते,
सबके मन को खूब भाते।।

रचना-
मनीष त्रिवेदी (स०अ०)
प्रा० वि० हमीरपुर
रसूलाबाद, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22-01-2022

3858

दिन- शनिवार

राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी)

यह दिवस है सबसे खास,
देश को है बस तुमसे आस।
अपने कर्तव्य को पहचान,
देश-धर्म का रखना मान।।

स्वतन्त्र विचार, निष्पक्ष भावना,
शान्तिपूर्ण परिवेश की हो स्थापना।
धर्म, जाति, भाषा, वर्ग फिजूल,
मतदान करने में न करना भूल।।

प्रलोभन है गर्त का मार्ग,
बुद्धि-विवेक से करना कार्य।
मतदान हमारा है अधिकार,
हमको है अपने देश से प्यार।।

अठारह वर्ष के नये मतदाता,
बनेंगे देश के भाग्य विधाता।
राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर,
प्रण लें मतदान करेंगे मिलकर।।

रचना -
निहारिका वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) भूपालपुर,
निधौली कलाँ, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22/01/2022

3859

दिन- शनिवार

गाँव मेरा

दूर पहाड़ के उस ओर है गाँव मेरा,
गाड़ियों की आवाज से नहीं।
चिड़ियों की मधुर चहचहाहट,
से होता जहाँ सुखद सवेरा।।

आता हमें नहीं तेरा-मेरा,
चारों ओर है सिर्फ भाईचारा।
दूर पहाड़ के उस ओर है गाँव मेरा,
जो धरती पर सुन्दर सा बसेरा।।

है पहाड़ जैसा जीवन,
पर मुख में खूबसूरत हँसी।
इस 21वीं सदी में लाँघे पहाड़ पर्वत,
फिर भी सहज भाव में बहती नदी।।

पहाड़ पर ऐसा है गाँव मेरा,
बनाना नहीं इसे दो-चार दिन का बसेरा।
छोटी सी अभिलाषा है मेरी,
हर रोज हो मेरे जीवन का यहाँ सवेरा।।

रचना-
रीता दीपक (स०अ०)
रा० प्रा० वि० खटीमा
ब्लॉक- खटीमा,
ऊधमसिंह नगर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22-01-2022

3860

दिन- शनिवार

बेटियाँ

तर्ज- तुम तो ठहरे परदेशी...

बेटियाँ हैं,रूप शक्ति का,
सृष्टि ये रचाएँगी।
मन, वचन और कर्म से,
जग को ये सजाएँगी।।
बेटियाँ...

बेटी ही माता, बहना है,
सबके घर का गहना है।
दुलार, प्यार अपना ये,
सब पर लुटाएँगी।।
बेटियाँ...

मत बाँधो इनको तुम,
सोने की जंजीरों में।
करेंगी नाम रोशन ये,
मान भी बढाएँगी।।
बेटियाँ...

हक पढ़ने लिखने का,
बेटों जैसा दे दो इन्हें।
लगाकर पंख आशा के,
उड़कर ये दिखाएँगी।।
बेटियाँ...

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22-01-2022 **3861** दिन- शनिवार

मोर

देखो कितना सुन्दर मोर!
जंगल में मचाए शोर।
रंग-बिरंगे पंख हैं इसके,
अनुपम छटा बिखेरे मोर।।

घुमड़-घुमड़ कर बादल छाए,
रिमझिम-रिमझिम फुहार लाए।
झूम-झूम कर नाचे है मोर,
सतरंगी पंख फैलाए मोर।।

वन की शोभा बढ़ाता मोर,
सावन में खुश होता मोर।
बच्चों के बीच इठलाता मोर,
पास आने पर उड़ जाता मोर।।

पीहू-पीहू बोले मोर,
मीठे हैं इसके बोल।
सुनकर मन हर्षित हो जाए,
राष्ट्रीय पक्षी कहलाए मोर।।

रचना
सुमन कुशवाहा (प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- भगवानपुर
नेवादा, कौशाम्बी

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22/01/2022 **3862** दिन- शनिवार

कौन कहाँ बसा

किस नदी पर बसा,
बच्चों कौन-सा जिला?
आओ जानें हम तुम,
सब मिलकर यहाँ।।

केन नदी पर बसता,
अपना प्यारा बाँदा।
कृष्ण जन्मभूमि मथुरा,
यमुना नदी बहती वहाँ।।

आगरा का ताजमहल,
है यमुना नदी के तट।
इलाहाबाद है त्रिवेणी पर,
गंगा-यमुना का पावन तट।।

राम की नगरी अयोध्या,
सरयू नदी का किनारा।
उत्तर प्रदेश की राजधानी,
लखनऊ का देखो नजारा।।

सुगंधा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि०, दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22.01.2022

3863

दिन- शनिवार

सर्दी आयी

सर्दी आयी बड़े जोर की,
थर-थर काँपे हैं सब लोग।
सर्द हवाएँ चलने लगीं अब,
घरों में दुबके हैं सब लोग।।

सूरज दादा कम ही दिखते,
और शाम को जल्दी छिपते।
छोटे बच्चे भी गलियों में अब,
कभी-कभी ही हमको दिखते।।

धूप को तरसें, धुन्ध है बरसे,
दूर-दूर तक कुछ न दिखता।
तन पर बोझ बढ़ा कपड़ों का,
फिर भी हमको जाड़ा लगता।।

हाथ-पैर सब सुन्न हो गये,
मुँह से भाप निकलती है।
आग जलाकर लगे तापने,
फिर भी सर्दी लगती है।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- **24-01-2022**

3864

दिन- **सोमवार**

जन-जन की भाषा है हिन्दी

जन-जन की भाषा है हिन्दी,
मीठी सरल अनूठी हिन्दी।
सहज सुगम ओजस्वी हिन्दी,
वन्दनीय अभिनन्दनीय हिन्दी।।

भारतीय संस्कृति की आत्मा है हिन्दी,
राष्ट्र के माथे की बिन्दी है हिन्दी।
जीवन की भाषा परिभाषा है हिन्दी,
भारत देश का स्वाभिमान है हिन्दी।।

सूर, कबीरा, मीरा, रसखान है हिन्दी,
विश्व साहित्य की जननी है हिन्दी।
राष्ट्र की रीढ़, राष्ट्र की शान है हिन्दी,
जय-हिन्द, जय-भारत, वन्दे-मातरम् है हिन्दी।।

रचना
अनुपमा जैन (स०अ०)
पू० मा० वि०, मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 24-01-2022 **3865** दिन- सोमवार

गणेश चतुर्थी

सरसी छन्द में सुमन गाती,
श्री गणेश यशगान।
शीश पे रखिए हाथ प्रभु जी,
सभा बढ़ाओ मान।।

मंगल-मूरत गणपति बप्पा,
हृदय विराजो आप।
है हाथ जोड़ विनती मेरी,
हर लो सब सन्ताप।।

संकष्ठी चतुर्थी माघ की,
व्रत है बड़ा महान।
विघ्न हरो हे! गणपति देवा,
दो रिद्धि-सिद्धि, ज्ञान

प्रथम पूज्य देव हैं कहाते,
मंगल करतें काम।
प्रिय है उनको मोदक, दूर्वा,
अर्पण करूँ प्रणाम।।

रचना - सुमन सिंह (स०अ०)
उ०प्रा०वि० बिल्ली
चोपन, सोनभद्र

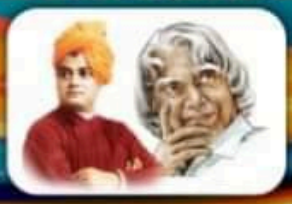

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24/01/2022 **3866** दिन- सोमवार

उड़ै चिरैय्या

पखना दूनौ फइलाय उड़ै,
आसमान पर जाय उड़ै।
कबहू बिरवकि ऊपर बैठै,
कबहू आवै छति पर बैठै।।

चूँ-चूँ ब्वालैं अउ, चूनै दाना,
लागति उइ सब गावैं गाना।
पछिलारा मा उइ सब जागैं,
जंगल, खेतवन, गाँवन भागैं।।

पड़ुखी, तोता औरु तिलोरी,
सब मिलि ब्वालैं लागै लोरी।
नन्ही-नन्ही गौरय्या आवैं,
बच्चा अपने सब साथै लावैं।।

सब कोइ रक्खौ दाना-पानी,
प्यासी-भूखी चिरैय्या रानी।
सब कोइ बरतन एकु बनावौ,
रोजु सबेरे रखि कै आवौ।।

सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24-01-2022

3867

दिन- सोमवार

भालू आया, भालू आया

भालू आया भालू आया।
छम-छम करता भालू आया।
संग बड़ा सा ढोलक लाया।
ढोलक को फिर खूब बजाया॥

सुनकर ढोलक की आवाज।
आया जंगल का वनराज।
सुनकर उसकी तेज दहाड़।
देखो हिलने लगा पहाड़॥

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायां, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 24/01/2022 **3868** दिन- सोमवार

भारत में ऋतुएँ (भाग-2)

आयी शरद ऋतु सुहानी,
आश्विन कार्तिक बड़ी लुभानी।
त्योहारों का मौसम आया,
दशहरा दीवाली खूब मनायी।।

हेमन्त की बयार आयी,
मार्गशीर्ष-पौष में ठण्डक लायी।।
ठण्डी-ठण्डी चली बयार,
शिशिर ऋतु में बर्फ की फुहार।।

माघ-फाल्गुन का है यह संसार,
मकर संक्रान्ति व पञ्चमी का आया त्योहार।
एक साल में छः ऋतुएँ होतीं,
सुन्दर लगती, प्यारी-प्यारी लगतीं।।

रचना-:
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली,
ब्लॉक- जखोली, रुद्रप्रयाग

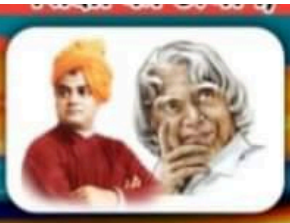

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24/01/2022 | 3869 | दिन- सोमवार

बिटिया की इच्छा

अम्मा! मेरी मुझे पढ़ाओ,
मैं विद्यालय जाऊँगी।
पढ़-लिख कर बड़ी बनूँगी,
मैं भी नाम कमाऊँगी।।

बाबा की आँखों का तारा बनूँगी,
दीन-दुखियों का सहारा बनूँगी।
मानवता की सेवा करके ,
मैं भी नाम कमाऊँगी।।

नया युग और नया जमाना,
दूर हुआ अब भ्रम पुराना।
लड़कों से आगे बढ़ जाऊँगी,
मैं भी नाम कमाऊँगी।।

सुन लो चाचा,सुन लो भैय्या,
घूम रहा है समय का पहिया।
मैं आकाश छू जाऊँगी,
मैं भी नाम कमाऊँगी।।

रचना

सबा परवीन (स०अ०)
क० वि० चितमाना शेरपुर
परीक्षितगढ़–मेरठ

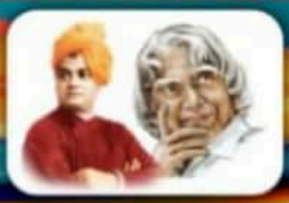

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 24-01-2022 **3870** दिन- सोमवार

घर-घर की रोशनी

हर एक ख्वाब बिटिया का,
पूर्ण हो सके इसी जनम।
नारी सशक्तिकरण के जरिए,
इनके बढ़ रहे कदम।।

लड़के-लड़कियों के कायदे,
कानूनन एक समान।
शारीरिक मानसिक मजबूती,
तन में हो विद्यमान।।

एक घर की ही नहीं,
बेटियाँ घर-घर की रोशनी।
परिवार को देती ढाल,
बना के अनुकूल मौसमी।।

पुरातन भारतीय संस्कृति,
घर में बेटियों की पूजा।
सर्वप्रथम पायें शिक्षा सभी,
बाद में काम दूजा।।

बेटियाँ होंगी आत्मनिर्भर,
लगाए जा रहे कयास।
पुन: भारत को विश्व गुरु,
बनाने को हो रहे प्रयास।।

रचना-
ऋषि कुमार दीक्षित (स०अ०)
प्रा० वि०- भटियार
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 24.01.2022

3871

दिन- सोमवार

एक बनें, नेक बनें

रखें संयम, धारण करें धैर्य,
रख सेवा-भाव परोपकारी बनें।
मानव जीवन सफल बनाने को,
मन में प्रेमभाव अपनाने को,
एक बनें, नेक बनें।।

करें विश्वास एक-दूजे पर,
किसी के दुःख का कारण न बनें।
दिलों में मानवता भाव सींचने को,
मन में दया भाव रखने को,
एक बनें, नेक बनें।।

अपनाएँ सद्गुण, न खोजें अवगुण,
गलतियों का पश्चाताप करें।
जीवों के दुःख, संताप हरने को,
निःस्वार्थ सेवा-भाव धरने को,
एक बनें, नेक बनें।।

मानव का सब जीवों से नाता,
जीव, जन, प्रकृति से प्रेम करें।
प्रेम, सद्भाव के दीप जलाने को,
मानवता का पाठ पढ़ाने को,
एक बनें, नेक बनें।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24/01/2022

3872

दिन- सोमवार

सुभाष चन्द्र बोस

तेईस जनवरी अट्ठारह सौ सत्तानवें,
कटक शहर में जन्म लिया।
जय हिन्द, दिल्ली चलो का नारा,
सम्पूर्ण देश में अमर किया।।

कलकत्ता विश्वविद्यालय से,
बी० ए० आनर्स पास किया।
आई० सी० एस० की परीक्षा में भी,
चौथा स्थान प्राप्त किया।।

ब्रिटिश राज से मुक्ति को,
आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व किया।
भारत को स्वतन्त्र कराने को,
अंग्रेजों से फिर युद्ध किया।।

नेता सुभाष के जन्म-दिन पर,
पराक्रम-दिवस बनाते हैं।
भारत माँ के सच्चे सपूत को,
श्रद्धा के सुमन चढ़ाते हैं।

रचना-
अनिल राजभर (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय-बेलारी
पिण्डरा,वाराणसी

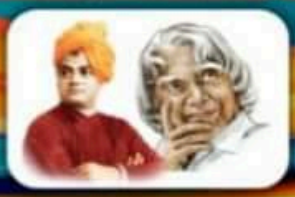

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/01/2022

3873

दिन-मंगलवार

क्रान्तिवीर बोस

आजाद फौज का नायक वो,
आजादी का परवाना था।
खून के बदले आजादी,
देने की उसने ठाना था।।

भारत माता की खातिर,
फौजी ने इतिहास बदल डाला।
गद्दार विदेशी गोरों को,
संगीन के तले कुचल डाला।।

क्रान्तिवीर सुभाषचन्द्र ने,
जय हिन्द का नारा बुलन्द किया।
आजादी की मशाल जलाकर,
जन-गण को आह्वान किया।।

साहस और निडरता का,
अंगारों से लिखा इतिहास में नाम।
हिन्द के ऐसे वीर सपूत को,
भारतवासी करते शत-शत प्रणाम।।

रचना

डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

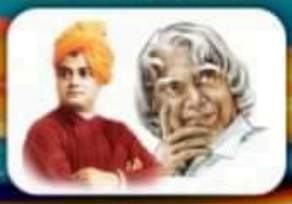

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-25/01/2022

3874

दिन-मंगलवार

गण तन्त्र दिवस

गणतन्त्र दिवस मनाएँगे,
हम गणतन्त्र दिवस मनाएँगे।
हम अपने विद्यालय को,
पहले सुन्दर-सा सजाएँगे।।

गणतन्त्र दिवस मनाएँगे,
हम गणतन्त्र दिवस मनाएँगे।
हम राष्ट्रीय ध्वज फहराएँगे,
और "जन-गण-मन" भी गाएँगे।।

गणतंत्र दिवस की
शुभकामनाएं

गणतन्त्र दिवस मनाएँगे,
हम गणतन्त्र दिवस मनाएँगे।
हम गीत देश के गाएँगे,
भाषण, कविता भी सुनाएँगे।।

गणतन्त्र दिवस मनाएँगे,
हम गणतन्त्र दिवस मनाएँगे।
और अपने देश की रक्षा का,
संकल्प भी उठाएँगे।।

रचना
प्रसन्नता रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि० भगवानपुर
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/01/2022

3875

दिन- मंगलवार

गणतन्त्र दिवस का पर्व

26 जनवरी को हम सब मिलकर,
गणतन्त्र दिवस का पर्व मनाते हैं।
राष्ट्रीय पर्व पर हम मिलकर,
शान से झण्डा फहराते हैं।।

गणतन्त्र दिवस का पर्व भारत में,
एकता का प्रतीक माना जाता है।
भारत के कोने-कोने में यह,
राष्ट्रीय पर्व मनाया जाता है।।

भारत का संविधान है विशाल,
यह राष्ट्रीय पर्व दर्शाता है।
हर भारतीय के मन में यह,
समानता का भाव लाता है।।

राष्ट्रीय पर्व पर देश की राजधानी को,
दुल्हन की तरह सजाया जाता है।
विभिन्न प्रकार की झाँकियों द्वारा,
शहीदों को नमन किया जाता है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/01/2022

3876

दिन- मंगलवार

सूरज काका

सूरज काका, सूरज काका,
घर से बाहर आओ ना।
बहुत घना है कोहरा छाया,
दर्शन अब दे जाओ ना।।

पड़ी गजब की इतनी सर्दी,
हाथ पैर जम जाते हैं।
थोड़ी-सी तो दे दो गर्मी,
हमको यूँ तरसाओ ना।।

लाख जला के अलाव तापें,
बात नहीं पर बनती है।
बाहर जाकर हम भी खेलें,
तरस तो हम पर खाओ ना।।

नाहक ही घर में अपने तुम,
छिपकर बैठे रहते हो।
आज नहीं तुम कल आओगे,
झूठी बात बनाओ ना।।

रचना -
राजवीर सिंह तरंग (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) सिलहरी,
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 25-01-2022 **3877** दिन- मंगलवार

मेरा भारत

अपने देश का नाम है भारत,
अशोक चक्र पहचान यहाँ।
विश्व पटल पर अंकित है जो,
तिरंगा है भगवान यहाँ।।

जिसके सिर का ताज हिमालय,
कल-कल नदियों की धार यहाँ।
हरे-भरे खेतों की चादर,
पर्वत, मैदान, पठार यहाँ।।

सभी धर्म यहाँ पूजे जाते,
मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा यहाँ।
खुशियों का है देश हमारा,
मिलकर होते त्योहार यहाँ।।

संविधान में सब लोगों को,
हैं अधिकार समान यहाँ।
लोकतान्त्रिक गणराज्य हमारा,
छोटा-बड़ा न कोई यहाँ।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 25/01/2022 **3878** दिन- मंगलवार

जागो प्यारे मतदाता

जागो प्यारे मतदाता जागो,
लोकतन्त्र के नायक जागो।
अपने मत की शक्ति जानो,
मतदान करने की ठानों।।

जातिभेद को दूर भगाओ,
अच्छा नेता चुन कर लाओ।
जो भारत का करे विकास,
देश-प्रेम हो जिसके पास।।

जो लालच दे तुम्हें लुभाये,
मुर्गा, दारू, नोट दिलाये।
झाँसे में तुम कभी न आना,
सोच समझकर बटन दबाना।।

दो बार न कोई करें मतदान,
इसका भी तुम्हें रखना है ध्यान।
मत, मतदाता और मतदान,
लोकतन्त्र की यह हैं जान।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

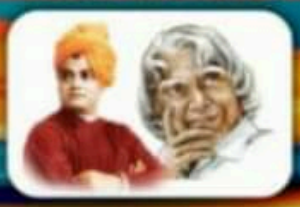

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/01/2022

3879

दिन- मंगलवार

गणतन्त्र दिवस

छब्बीस जनवरी उन्नीस सौ पचास,
नये संविधान की इस दिन हुयी शुरूआत।
मिली हमें गणतन्त्र दिवस की सौगात,
भारत ने मनाया राष्ट्रीय त्यौहार।।

हर वर्ष ये दिन जब आता है,
ढेरों खुशियाँ लाता है।
तिरंगा जब लहराता है,
जन-जन खुशहाल हो जाता है।।

भारत की वो आन-बान,
जिस पर शहीद हुए कुर्बान।
महापुरुषों का वो बलिदान,
नहीं भूलेगा हिन्दुस्तान।।

आओ मिल सब प्रतिज्ञा करें,
देशभक्ति को मन में भरें।
इस भारत भूमि को नमन करें,
हर कार्य देश-हित में करें।।

रचना-:
गीता भट्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० रविन्द्र नगर
ब्लॉक एवं जनपद- उधमसिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/01/2022

3880

दिन- मंगलवार

क्यू0 आर0 कोड

क्या आप सबको पता हैं?
क्या आपने कभी सोचा हैं?
वस्तुओं पर बॉक्स में क्या बना होता हैं?
इस बॉक्स का प्रयोग कैसे, कहाँ होता हैं?

बॉक्स में अजीबोगरीब निशान होते हैं,
अखबारों में भी छपे बिज्ञापनों में होते हैं।
ये निशान किताबों में भी छपे होते हैं,
मोबाइल ऐप व अन्य चीजों में भी होते हैं।।

यह साधारण निशान नहीं होता हैं,
इसे 'क्यू0 आर0 कोड' कहा जाता हैं।
क्विक रिस्पांस कोड भी इसे कहते हैं,
यह ढेरों जानकारियाँ छिपाये रहता हैं।।

इसको पढ़ना जरुरी होता हैं,
इसका भी बड़ा महत्व होता हैं।
इन्टरनेट से यह जानकारी देता हैं,
मोबाइल स्कैनर से स्कैन कर देता हैं।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र0अ0)
प्रा0 वि0 खम्हौरा- 1
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 25/01/2022

3881

दिन- मंगलवार

क्रिसमस का दिन

क्रिसमस का दिन आया है,
बच्चों की खुशियाँ लाया है।
सब बच्चें यह कह रहे पुकार,
सेण्टा लाएँगे उपहार।।

सब बच्चे गाते हैं गाना,
पहने टोपी और पैजामा।
झोला लेकर आते हैं,
तोहफे साथ में लाते हैं।।

ठण्डी-ठण्डी हवाओं में,
बर्फ के गोले राहों में।
बच्चों को है इनसे प्यार,
ये करते हम सबको दुलार।।

रात में बच्चे करें इन्तजार,
सेण्टा क्या लाएँगे उपहार।
लाल रंग के कपड़े पहने,
दाढ़ी से हैं इनकी पहचान।।

रचना

कु० रोली शर्मा (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 25-01-2022 **3882** दिन- मंगलवार

स्वयं की प्रकृति

ईचक-बीचक बम-बम बोल,
न बोलो बड़-चढ़ के बोल।
ढोल-नगाढ़ा बेशक बजाओ,
सुर-ताल में समन्वय तो दिखाओ।।

सर-सर-सर-सर अर र र र र,
समय जा रहा सरक-सरक।
बचपन, यौवन और बुढ़ापा,
यूँ ही जाता ढरक-ढरक।।

सन-सन-सन-सन न न न न,
सूरज बिन कहाँ है जीवन।
सूरज की शक्ति से जीवन,
वन के बिन न जीवन में उपवन।।

दंगम-दंगम-दंगम दंग,
जीतो स्वयं से स्वयं की जंग।
अन्दर बैठे शत्रु घनघोर,
जीतो उनको लगा मन का जोर।।

रचना

प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

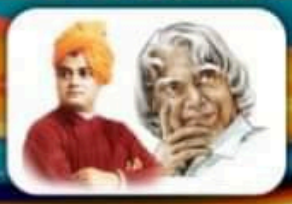

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-26.01.2022 **3883** दिन-बुधवार

आयी है छब्बीस जनवरी

आयी है छब्बीस जनवरी,
लेकर खुशियों का त्यौहार।
सन् उन्नीस सौ पचास से मनाते,
हर्षोल्लास से हम हर बार।।

इस दिन लागू गणतन्त्र हुआ,
भारत का संविधान प्यारा।
हर भारतवासी धन्य हुआ,
पाकर सर्वोच्च विधान न्यारा।।

गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाएँ

सही मायनों में आजादी,
हमने इस दिन पायी थी।
भारत के जन-जन के मन में,
खुशियाँ ही बस छायी थी।।

सरकारी भवनों, विद्यालयों में,
फहराते इस दिन हैं तिरंगा।
गर्व और अभिमान हमारा,
ऊँचा सदा रहे ये तिरंगा।।

शिखा वर्मा (इं0प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26/01/2022

3884

दिन- बुधवार

...गणतन्त्र दिवस...

लहर-लहर लहराए तिरंगा,
भारत माँ की शान में।
आज झुके हैं शीश अनेकों,
शूरों के सम्मान में।।

वीरों ने दी प्राण आहुति,
अमर हुए संग्राम में।
तोपों से मिल रही सलामी,
जन-गण-मन के गान में।।

सेना करती आज प्रदर्शन,
मधुर बैण्ड की तान में।
विविध रूप में बसी एकता,
प्यारे हिन्दुस्तान में।।

अपनी-अपनी संस्कृति लेकर,
निकली झाँकी आह्वान में।
मरे-मिठे फिर अमर हो गए,
चन्द्र-भगत अभिमान में।।

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

रचना -
दीप्ति कठियार (स०अ०)
क० वि० गढ़ी कठैया
लोनी, जनपद- गाज़ियाबाद

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26-01-2022

3885

दिन- बुधवार

छब्बीस जनवरी का पर्व आया बालकों।
ये दे रहा हमें नया सन्देश बालकों।।

26 जनवरी

वीरों ने आगे बढके, देश एक जुट किया,
देश-प्रेम का संदेशा सबको यों दिया।
अपने वतन पै जान भी जाए तो दीजिए,
देश का सम्मान, स्वाभिमान लीजिए।।
बलिदान हुए देशहित में वीर बालकों।
ये दे रहा हमें नया सन्देश बालकों।।

26 JANUARY
REPUBLIC DAY

ये देश है हमारा, उर हमारा रहेगा,
हम देश के हैं, देश-प्रेम उर में बहेगा।
आजाद, भगत, बोस, शेखर, नेहरू, गाँधी,
उन्होंने चलायी देश में, आजादी की आँधी।।
आखिर हुआ स्वतन्त्र देश, सुन लो बालकों।
ये दे रहा हमें नया संदेश बालकों।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26/01/2022 3886 दिन- बुधवार

मेहनत

किसी काम को करने में,
लगता है जो श्रम।
उसी को कहते मेहनत,
उस को कहते श्रम।।

दो प्रकार का होता है,
मेहनत या परिश्रम।
पहला मानसिक श्रम,
दूजा शारीरिक श्रम।।

जो करता है मेहनत से,
इस दुनिया में काम।
उसको ही मिलता, बच्चों!
जग में शोहरत व नाम।।

मेहनत से ही सफलता,
हम सबको मिलती है,
प्यार और इज्जत की,
ज़िन्दगी ही मिलती है।।

पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26/01/2022

3887

दिन-बुधवार

आयी 26 जनवरी

26 जनवरी का पावन पर्व है आया,
गणतन्त्र देश भारत कहलाया।
संविधान लागू हुआ इस दिन,
तिरँगा चहुँ ओर लहर-लहर लहराया।।

सुभाष, राजगुरू,चन्द्रशेखर, सुखदेव,
भगत सिंह बाँके वीर जवानों को।
अंग्रेजो के सब जुल्म सहन किये,
भारत माँ को आजाद कराने को।।

भारत माता पल-पल याद करें,
उन शूरवीर अमर सपूतों को।
जो हँस कर फाँसी पर झूल गये ,
भारत माँ को आजाद कराने को।।

याद करो शहीदों की शहादत,
नमन करें मिल करें इबादत।
हम सब हैं भारत के प्रहरी,
हर दिल में बहे देशभक्ति गहरी।।

रचना-
प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26.01.2022

3888

दिन- बुधवार

गणतन्त्र दिवस है

भारत के गणतन्त्र का सारे जग में मान,
दशकों से खिल रही उसकी अद्भुत शान।
सभी धर्मों को देकर, रचा गया इतिहास,
इसीलिए हर देश वासी को इसमें है विश्वास।।
भारत माता तेरी गाथा सबसे ऊँची तेरी शान,
तेरे आगे शीश झुकाएँ दें तुझको हम सम्मान।
झण्डा लहराना है वन्दे मातरम का गीत गाना है,
अब स्वप्न देखा जो उसे साकार करना है।।
याद करें उन शूरवीरों की कुर्बानी,
जिनके कारण लोकतन्त्र का आनन्द उठाते हैं
चलो फिर से खुद को जगाते हैं,
अनुशासन का डण्डा फिर घुमाते हैं।।
आजादी का जोश कभी कम ना होने देंगे,
जब भी जरूरत पड़ेगी देश के लिए जान लुटा देंगे।
क्योंकि अपने देश भारत पर अब,
दोबारा कोई आँच ना आने देंगे।।

रचना-
दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-26/01/2022

3889

दिन-बुधवार

आजादी तब मिली हमें,
जब वीरों ने प्राण गवाएँ।
इस आजादी का मूल्य मगर,
हम अब भी समझ न पाये।।

आज गणतन्त्र दिवस

74 वर्षों तक आजादी के,
झण्डे तो फहराये।
उस झण्डे के तीन रंग का,
अर्थ कौन समझाये।।

क्षुब्ध हृदय से मन मेरा,
मुझसे ये प्रश्न उठाये।
इस सोने की चिड़िया ने,
क्यूँ अपने पंख गवाये।।

वीर सपूतों के बलिदानों को,
आओ न व्यर्थ गवाएँ।
मानवता व राष्ट्र-प्रेम को,
जीवन का अंग बनाएँ।।

रचना

प्रवीण द्विवेदी (स०अ०)
संविलियन विद्यालय, धरटीडोलवा
दुद्धी, सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26.01.2022

3890

दिन- बुधवार

बेटी तो अनमोल है...

बेटी से ही तो घर का,
अनुशासित माहौल है।
बेटी को कम मत आँको,
बेटी तो अनमोल है।।

माता-पिता की जान है,
हर एक घर का मान है।
भाई के माथे का तिलक,
और राखी की शान है।
घर-आँगन में करती,
खुशियों की कलोल है।।
बेटी तो अनमोल है...

बिन बेटी सूना हर आँगन,
हर घर होवे कन्या पूजन।
विदा होकर भी जुदा न होती,
कितना अटूट है ये बन्धन।
उम्र भर कानों में गूँजते,
उसके मिश्री से बोल हैं।।
बेटी तो अनमोल है...

नाम बढ़ाती पढ़-लिखकर,
छू ले आसमां को उड़कर।
हर मुश्किल से पार है पाती,
नित नये सपने बुनकर।
ठान ले जो भी करती पूरा,
चाहे राह में जितने झोल हैं।।
बेटी तो अनमोल है...

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचन्दपुर
खेकड़ा, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26/01/2022 **3891** दिन- बुधवार

गणतन्त्र दिवस आया

26 जनवरी का शुभ दिन आया,
मन में हर्षोल्लास है छाया।
रोम-रोम प्रफुल्लित हुआ,
आसमां में फिर तिरंगा लहराया।।

कितनी कठिनाइयों को हमने झेला,
तब जाकर आजादी को पाया।
26 जनवरी को संविधान बना कर,
अपना गौरवशाली इतिहास बनाया।।

संविधान अपना अस्तित्व में लाकर,
देश को अपने गणतंत्र बनाया।
अंग्रेजों के कुटिल कानूनों से,
भारत माँ को आजाद कराया।।

फिर दोहराएंगे वीरों की गौरव गाथा,
बलिदान याद करेंगे उन वीरों का।
माँ भारती के सम्मान की खातिर,
जिसने अपना लहू बहाया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना -
स्वाति गुप्ता (स० अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) नाई जगत, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26.01.2022

3892

दिन- बुधवार

बिटिया रानी

मुस्कान लिए अधरों पर सबको रिझाती,
रूठी हुई माँ को प्यार से मनाती।
पिता को देखकर दौड़कर आती,
कैसे हो पापा! और खूब बतियाती।।

झटपट पानी का गिलास ले आती,
टूटते हुए परिवार को जोड़ कर रखती।
निराशा में आशा की किरण जगाती,
संकट में शक्ति बन कर धैर्य बँधाती।।

कुटुम्ब को सदा ही खुशहाल बनाती,
तभी तो बिटिया महान कहलाती।
बेटी का खूब मान और सम्मान करो,
सदैव खुशियों से अपनी झोली भरो।।

क्योंकि टूटे दिलों की आस है बेटी,
बुझते चिरागों की प्रकाश है बेटी।
ममता, श्रद्धा, करुणा, सम्मान है बेटी,
गौरव, शौर्य, समता, स्वाभिमान है बेटी।।

रचना-:
विजयलक्ष्मी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० चन्द्रनगर
रामनगर, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26.01.2022 **3893** दिन- बुधवार

26 जनवरी आयी

आयी-आयी-आयी,
26 जनवरी आयी।
इस दिन को कहते,
गणतन्त्र दिवस है भाई।।

शिक्षक बच्चों को बतलाते,
क्यों है यह दिन खास।
लागू हुआ संविधान था,
साल था उन्नीस सौ पचास।।

यह दिन हमें प्रेरणा देता,
रहे हम सुखी समृद्ध।
स्वर्णिम पल आए धरती पर,
भारत हुआ सम्पन्न, सम्पूर्ण, प्रभुत्व।।

गणतन्त्र दिवस की पूर्व सन्ध्या को,
राष्ट्रपति देते सम्बोधन देश के नाम।
है यह एक राष्ट्रीय पर्व करते,
भारतीय सेना को सलाम।।

रचना:-
रेनू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० इलाइचीपुर
क्षेत्र- लोनी (गाजियाबाद)

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 27/01/2022

3894

दिन- गुरुवार

वर्षा ऋतु

शरद सुहाना मौसम आया,
ठण्डक की फुहार है लाया।
बीत गये थे कितने अरसे,
आज बादल खूब हैं बरसे।।

दिखे मनभावन चारों ओर,
खुशी से झूमें नाचे मोर।
कोयल मीठे गीत सुनाये,
पशु-पक्षी बहुत ही हर्षाये।।

सर-सर-सर-सर हवा चली है,
वर्षा की अति झड़ी लगी है।
टप-टप से बून्दें हैं टपकी,
बादल में कैसी है मस्ती?
रात में तारे दिख न पायें,
चँदा मामा नजर न आयें।
देख धरा पर कितना जल है?
अम्बर भीगा, भीगा थल है।।

रचना सिंह वानिया (स०अ०)
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग,
रजपुरा, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27.01.2022

3895

दिन- गुरुवार

वीरों को नमन

जिन्होंने देश के खातिर दे दी जान,
मैं उन वीरों को नमन करती हूँ।
जिन पर है इस देश को अभिमान,
मैं उन वीरों को नमन करती हूँ।।

जो जागते हैं अन्धेरी रातों को,
छोड़ गाँव में रिश्ते-नातों को।
हथेली में लेकर अपनी जान,
और दिल में रखते हैं हिन्दुस्तान।।

न करते सर्दी-गर्मी की परवाह,
शूल ही शूल होते जिनकी राह।
देश के अमन चैन के खातिर,
कर देते अपने प्राण भी हाजिर।।

देश के ऐसे वीर जवानों को,
मैं दिल से नमन करती हूँ।
जिन पर है इस देश को अभिमान,
मैं उन वीरों को नमन करती हूँ।।

रचना
आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27/01/2022

3896

दिन- गुरुवार

मेरा देश महान

चलो उतारें आज आरती,
हम उन वीर जवानों की।
मातृभूमि के लिए लड़े जो,
लगाकर बाजी प्राणों की।।

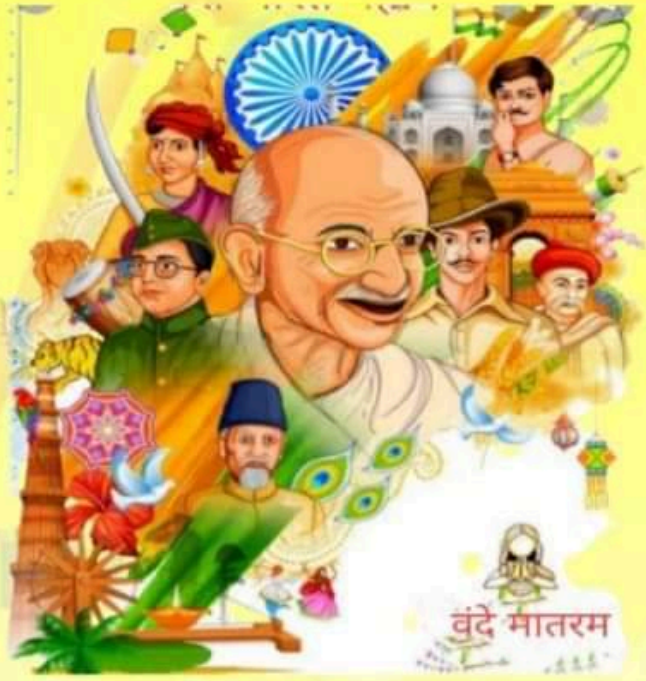

जली जवानी अँगारों में,
तूफानों से प्यार किया।
भारत माँ के लिए जिन्होंने,
मर जाना स्वीकार किया।।

चलो उठा कर रखें शीश पर,
कुर्बानी उन वीर जवानों की।
मातृभूमि के लिए लड़े जो,
लगाकर बाजी प्राणों की।।

चलो करें आज याद हम,
कुर्बानी उन वीर जवानों की।
मातृभूमि के लिए लड़े जो,
लगाकर बाजी प्राणों की।।

रचना-
सुमन (प्र०अ०)
प्रा० वि० निस्तौली 2
लोनी, जनपद- गाज़ियाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 27.01.2022

3897

दिन- गुरुवार

बचपन

झीनी-झीनी सी यादें बचपन की,
कुछ भूले कुछ याद हैं बातें बचपन की।
वह मस्तियाँ वो यारों की टोलियाँ,
पल में टूटती पल में बनती थी जोड़ियाँ।।

लुक्का-छुपी, ऊँच-नीच, रस्सा-कूद,
बचपन में खेले खेल बहुत।
गुड्डा-गुड़ियों की करते शादी,
धूमधाम से होती शादी।।

कच्ची अम्बियाँ चुरा के खाना,
दोस्तों संग खूब बतियाना।
किसी की चिन्ता न कोई फिकर थी,
बचपन की जिन्दगी कितनी सुन्दर थी।।

काश लौट आये वह बचपन पुराना,
और मैं जी लूँ अपना अफसाना।
समाया है जिसमें मेरा खजाना,
याद आये बहुत गुजरा जमाना।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 27.01.2022

3898

दिन- गुरुवार

हमारा गणतन्त्र

हमारा गणतन्त्र दिवस है महान,
लागू हुआ था इस दिन हमारा संविधान।
दो वर्ष और माह ग्यारह लगे अठारह दिन,
सबसे लम्बा और लिखित संविधान बना इस दिन।।

जानें इसकी रुपरेखा,
सबसे पहले है उद्देशिका।
चार सौ सत्तर हैं अनुच्छेद,
इनमें भी हैं पच्चीस भेद।।

अनुसूचियाँ हैं बारह,
जिसमें वर्णित हैं सभी विषय।
अनुलग्नक हैं इसमें पाँच,
संशोधन हैं एक सौ पाँच।।

ग्यारह कर्तव्य हैं छः अधिकार,
अपना गणतन्त्र है शानदार।
अधिकार न भूलें कभी मगर,
कर्तव्यों का भी रहे ध्यान।।

रचना
रश्मि पाण्डेय (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० भरतपुर,
भीमताल, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 27/01/2022

3899

दिन- गुरुवार

गणतन्त्र दिवस

भारत है अपना देश महान,
"सोने की चिड़िया" थी इसकी शान।
जिस पर थी अंग्रेजों की कमान,
और फिर भारत को बना दिया गुलाम।।

अंग्रेजों के जुल्म बढ़े,
नियम कर दिये और कड़े।
फिर भारतवासियों ने यह ठाना,
अंग्रेजों को अब है भगाना।।

अंग्रेजों के राज में देश,
जाने कितना ये बर्बाद हुआ।
मिला अपना संविधान जब,
फिर भारत आबाद हुआ।।

आओ सबको गले लगाएँ,
हम यह प्यारा पर्व मनाएँ।
गणतन्त्र दिवस की आप सभी को,
ढेर सारी शुभकामनाएँ।।

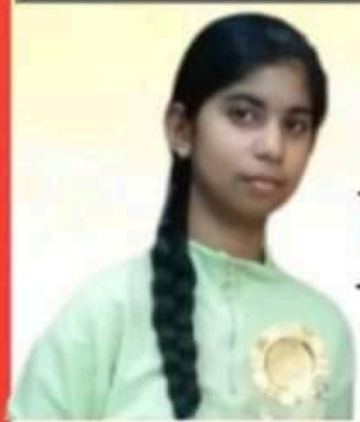

रचना-
कु० अनुष्का गुप्ता (छात्रा)
कक्षा- 8
वि० नि० मे० पब्लिक स्कूल बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 27/01/2022

3900

दिन- गुरुवार

(तर्ज़ - तू कितनी अच्छी है.. ओ माँ)

बेटी

बेटी! कितनी कोमल, कितनी सच्ची है,
प्यारी-प्यारी है, ओ बेटी-ओ बेटी।
इसके हँसने से, इसके रोने से,
गूँजे किलकारी है, ओ बेटी-ओ बेटी।।

बेटी न हो घर में जिसके,
वो घर सूना-सूना लागे।
उसकी बातों में, उसकी यादों में,
दुनिया ये सारी है, ओ बेटी-ओ बेटी।।

बेटी तो दो-दो घर जोड़े है,
बेटी बिन न खुशियाँ होवे, न कोई त्योहार।
घर को सजाती है, सबको मनाती है,
वो फुलवारी है, ओ बेटी-ओ बेटी।।

गर न जन्मोगे, बेटी यारों,
तो बेटा कैसे पाओगे, कैसे वंश बढ़ाओगे।
बेटी नगमा है, बेटी सपना है,
घर की दुलारी है, ओ बेटी-ओ बेटी।।

रचना -
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि०- बैरमई खुर्द
वि० क्षे०- अम्बियापुर
बिल्सी, बदायूं

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

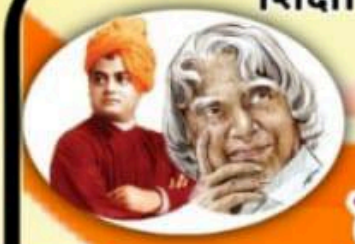

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभारः

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429